

संस्कृतं वदतु

(संस्कृत बोलिये)



विद्या ददाति विनयं,
विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद् धनमाप्नोति,
धनाद् धर्मं ततः सुखम्॥

॥ संस्कृतभारती ॥

उत्तरप्रदेश: (न्यास:), गान्धिविद्यासंस्थानम्, राजघाट, वाराणसी, दूरभाष : ९४५२०९३९९६



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
By
Avinash/Shashi

Creator of
hinduism
server!

संस्कृत क्यों?

- संस्कृत ज्ञान-विज्ञान की भाषा है।
- संस्कृत भारत की सांस्कृतिक भाषा है।
- संस्कृत में बोलना आधुनिकता की पहचान है।
- कला, विज्ञान आदि विषयों की ग्रहणक्षमता के विकास के लिए।
- स्वास्थ्य की रक्षा एवं व्यक्तित्व के विकास के लिए।
- प्रभावी भाषण एवं संभाषण कला के लिए।
- भारत के अमूल्य ज्ञान भण्डार को जानने के लिए।
- आध्यात्म एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए।
- भारत को फिर से विश्व का ज्ञानगुरु बनाने के लिए।
- विश्व कल्याण के लिए।

आप भी इस भाषा में व्यवहार कर सकते हैं।



संस्कृतं वदतु

(संस्कृत बोलिये) (Speak Samskrit)

प्रकाशिका

॥ संस्कृतभारती ॥

उत्तरप्रदेश: (न्यास:), गान्धिविद्यासंस्थानम्, राजघाट, वाराणसी,

दूरभाष : ९४१५३५३९९३

संस्करणम् - प्रथमम्

वर्षम् - गुरुपूर्णिमा युगाब्दः ५११७ (२०१५)

मूल्यम्- ५/- (पञ्चरूप्यकाणि)

संस्कृतं वदतु (संस्कृत बोलिये)

नमस्ते/नमस्कारः ।	नमस्ते/नमस्कार ।	Hello!
प्रणामः ।	प्रणाम ।	Good day!
धन्यवादः ।	धन्यवाद ।	Thank You!
स्वागतम् ।	स्वागत ।	Welcome
क्षम्यताम् ।	क्षमा कीजिए ।	Excuse me/Pardon me.
चिन्ता मास्तु ।	कोई बात नहीं/जाने दो ।	Don't worry
कृपया ।	कृपया ।	Please
पुनः मिलामः ।	फिर मिलेंगे ।	See you Later.
अस्तु ।	ठीक है । जी हाँ । जी ।	All right.
श्रीमान्/मान्यवर ।	श्रीमान्/मान्यवर ।	Sir!
मान्ये ।	श्रीमती जी ।	Madam!
उत्तमम्/शोभनम् ।	अच्छा ।	Very good!
बहु उत्तमम् ।	बहुत अच्छा ।	Excellent!
भवतः नाम किम् ?	आपका नाम क्या है? (पु०)	What is your name ? (for masculine)

भवत्या: नाम किम्?	आपका नाम क्या है?(स्त्री०)	What is your name ? (for female)
मम नाम '.....'।	मेरा नाम ' '।	My name is
एषः मम मित्रं '.....'।	यह मेरा मित्र ' '।	This is my friend (for mas.)
एषा मम सखी '.....'।	यह मेरी सखी ' '।	This is my friend (for fem.)
भवान्/भवती कस्यां कक्षायां पठति ?	तुम किस कक्षा में पढ़ते हो ?	Which class are you studying in?
अहं पञ्चम-कक्षायां पठामि।	मैं पाँचवी कक्षा में पढ़ता हूँ।	I study in the 5 th class.
भवतः ग्रामः/भवान् कुत्रत्यः?	आप कहाँ के रहने वाले हैं ?	Which city are you from ?
अहं भोयर ग्रामस्य निवासी अस्मि।	मैं भोयर ग्राम का निवासी हूँ।	I am resident of New York.
कुतः आगच्छति ?	आप कहाँ से आ रहे हैं ?	Where do you coming from ?
विद्यालयतः]	स्कूल से]	I am coming from school.
गृहतः]	घर से]	I am coming from home.
...तः]	से।]	I am coming from

(3)

कुत्र गच्छति ?
देवालयं गच्छामि ।
(कार्यालयम्) गच्छामि ।
स्वल्पम् ।
'पञ्चवादने ।
अहं न जानामि ।
किमर्थं न भवति ?
अथ किम् ?
नैव खलु ।
आगच्छतु ।
उपविशतु ।
ज्ञातम् ?
कथम् आसीत् ?
कार्यक्रमः कदा ?
अथ एव किम् ?
अथ न, श्वः ।
तद् ह्यः एव समाप्तम् ।

आप कहाँ जा रहे हैं ?
मन्दिर जा रहा हूँ ।
(कार्यालय) जा रहा हूँ ।
जरा-सा/थोड़ा-बहुत ।
पाँच बजे ।
मैं नहीं जानता हूँ ।
क्यों नहीं होता है ?
और क्या ?
नहीं तो ।
आइये/पधारिये ।
बैठिये ।
समझे ?
कैसा था/रहा ?
कार्यक्रम कब है ?
क्या सिर्फ आज है ?
आज नहीं कल (आनेवाला) ।
वह कल (बीता हुआ)

Where are you going ?
I am going to temple.
I am going to office.
a little
At five O'clock.
I do not know.
Why does it not happen ?
What else ?
No indeed!
Please come.
Please be seated.
Has it been understood ?
How was it ?
When is the programme ?
Is it today only ?
Not today, tomorrow.
It was over yesterday

इदानीम् एव ?
आम्, इदानीम् ।
प्राप्तं किम् ?
कस्मिन् समये ?
पञ्चवादने ।
आवश्यकं न आसीत् ।
महान् आनन्दः ।

प्रयत्नं करोमि ।
न शक्यते भोः ।

तथा न वदतु ।
कदा ददाति ?
अहं किं करोमि ?
कति जनाः सन्ति ?

ही समाप्त हुआ ।
अभी ?
हाँ, अभी ।
मिला क्या ?
कितने बजे ?
पाँच बजे ।
नहीं चाहिये था ।
बहुत अच्छा ।

प्रयत्न करूँगा / करूँगी ।
नहीं हो सकता ।

ऐसा मत कहिये ।
कब दोगे ?
मैं क्या करूँ ?
कितने लोग हैं ?

only.
Is it only now ?
Yes, now!
Did you get it?
At what time ?
At five O'clock.
It was not necessary.
A (matter of) great
pleasure.
I am trying./I try.
Oh! It is not (at all)
possible.
Don't say so.
When will you give ?
What can I do ?
How many people
are there?

पुनः आगच्छतु ।

अवश्यम् आगच्छामि ।

भवान् कथम् अस्ति ?

गृहे सर्वं कुशलम् ?

आम्, सर्वं कुशलम् ।

भवतः का वार्ता ?

भवान् एव श्रावयतु ।

किं मेलनं/बहु विरलं

जातम् ?

आगच्छतु, उपविशतु ।

जलम् आनयामि ?

मास्तु/नैव ।

कथम् आगमनम् अभवत् ?

मार्गः विस्मृतः किम् ?

फिर से आइये ।

जरूर आऊँगा ।

आप कैसे हैं ?

घर में सब कुशल हैं ?

जी हाँ, सब कुशल है ।

आपका क्या समाचार है ?

आप ही सुनाइये ।

क्या बात है ?

कम मिलते हैं ?

आइये, बैठिये ।

पानी लाऊँ ?

नहीं ।

कैसे आना हुआ ?

रास्ता भूल गये क्या ?

Please come again.

I will certainly come.

How are you (mas.) ?

Is everything well at home ?

Yes, everything is fine.

What is the news about
you?

You alone say.

What's the matter, we/they
meet so rarely ?

Please come. Have a seat.

Should I bring water ?

No, please.

What prompted you
to come?

Has the way been
forgotten?

चायं पिबति किम् ?

नैव, इदानीमेव पीत्वा
आगच्छामि ।

शैत्यम् अस्ति,
स्वल्पं चायं भवेत् ।
भवतु नाम ।

इदानीं मया गन्तव्यम् ।
तिष्ठतु, भोजनं कृत्वा
गच्छतु ।

न, इदानीं भोजनं न करोमि ।

न, भोजनस्य समयः ।

न, पुनः कदाचित्
खादामि ।

पुनः कदा मेलिष्यामः ?
भवान् किं करोति ?

चाय पियेगें, क्या ?

नहीं, इस समय पीकर
आ रहा हूँ ।

ठण्डक है ।
थोड़ी सी चाय चलेगी ।
ठीक है ।

इस समय मुझे जाना है ।
रूकिये, भोजन करके
जाइये ।

नहीं, इस समय
भोजन नहीं करूँगा ।

नहीं, भोजन का समय है ।

नहीं, फिर कभी
खायेगें ।

फिर कब मिलेगें ?
आप क्या करते हैं ?

(7)

Will you have tea ?

No please, I have just
had it.

Its cold.

Have some tea.

Well! Its alright.

I have to/should go now.

Please stay on, have meals
and then go!

No, I won't
have meals now!

No, no! This is the
time for meals.

No please! I will dine at
some other time.

When shall we meet again ?
What do you do ? (mas.).

अहम् 'आचार्यः' अस्मि ।

अहं तु 'यन्त्रागारे'

कार्यं करोमि ।

कार्यालये =

न्यायालये =

वित्तकोषे =

आपणे =

कृपया पुस्तकं ददातु ।

राकेशः अस्ति किम् ?

मम वचनं शृणोतु ।

भवतः का हानिः ?

किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?

किमपि न भवति ।

स्वीकरोतु ।

भोजनं सिद्धम् ।

परिवेषयतु ।

पर्याप्तम् ।

मैं आचार्य हूँ ।

मैं तो कारखाने में

काम करता हूँ ।

कार्यालय में

कचहरी में

बैंक में

दुकान में

कृपया पुस्तक दीजिये ।

क्या राकेश जी हैं ?

मेरी बात सुनिये ।

आपका क्या बिगड़ा ?

क्यों इतनी देर हुई ?

कुछ नहीं होगा ।

लीजिए ।

भोजन तैयार है ।

परोसिये ।

बस ।

I am a teacher.

I work in a Factory.

In an office

In the court

In a bank

In a shop

Please give the book.

Is Rakesh there ?

Please listen to me

What do you lose ? (mas.)

Why such a delay is there ?

Nothing will happen.

Please, accept.

Food is ready.

Please serve.

Enough.

स्वल्पं ददातु ।

रोटिका/करपट्टिका =

शाकम् =

सूपः =

लवणम् =

ओदनम् =

मरिचः =

दुग्धम् =

दधि =

पायसम् =

मिष्टान्नम् =

भोजनं बहु स्वादिष्टम् अस्ति । भोजन बहुत ही स्वादिष्ट है । The food is very relishing/tasty.

स्वास्थ्यं कथम् अस्ति ?

समीचीनं नास्ति ।

किम् अभवत् ?

ज्वरः, कासः, शिरोवेदना च ।

थोड़ा-सा दीजिये ।

रोटी

सब्जी

दाल

नमक

भात

मिर्च

दूध

दही

खीर

मिठाई

स्वास्थ्य कैसा है ?

ठीक नहीं है ।

क्या हुआ ?

बुखार, खाँसी और सिरदर्द ।

Give a little.

Bread

Vegetable

Soup

Salt

Rice

Chillies

Milk

Curd

Pudding

Sweets

How is your health ?

Its not well.

What happened ?

Fever, cough and headache.

वैद्यं दर्शयतु ।	डॉक्टर को दिखायें ।	Consult a doctor.
औषधं स्वीकृतवान् ।	दवाई ली है ।	I have taken the medicine.
तत्र सम्यक् पश्यतु ।	वहाँ ठीक से देखिए ।	See there properly.
सा किं पृच्छति ?	वह क्या पूछ रही है ?	What does she ask ?
अहं भवन्तं न त्यजामि ।	मैं आपको नहीं छोड़ूँगा ।	I will not leave you.
फलं तु खादतु ।	फल तो खाइये ।	(At least) eat some fruit.
तिष्ठतु, इदानीमेव ददामि ।	ठहरिये, मैं अभी देता हूँ ।	Please wait, I am giving right now.
सम्यक् स्थापयतु,	ठीक से रखना,	Put it properly,
न चेत् पतति ।	अन्यथा वह गिर जाएगा ।	Otherwise it will fall.
अहं पुस्तकं विद्यालयं नयामि ।	मैं विद्यालय से पुस्तक ले लूँगा ।	I carry the book from school.
सः संस्कृतवार्तां शृणोति ।	वह संस्कृत समाचार सुनता है ।	She/He listens to Samskrit news.
अहं तं प्रेषयिष्यामि ।	मैं उसे भेज दूँगा ।	I will send him.
माता वस्त्रं प्रक्षालयति ।	माता कपड़ा धो रही है ।	The Mother washes clothes.
भवान् प्रातः कदा उत्तिष्ठति ?	आप सवेरे कब उठते हैं ?	When do you get up in the morning? (mas.)

भवतः नाम न स्मरामि ।	आपका नाम मुझे याद नहीं आ रहा है ।	I don't remember your name.
किञ्चित् कालं स्यूतं गृह्णातु ।	जरा थैला पकड़िए ।	Please hold this bag for some time.
किमर्थं भवती रोदिति ?	आप क्यों रो रहे/रही हैं ?	Why do you (fem./male) weep?
सः मिष्टान्नं बहु इच्छति ।	उसे मिठाई बहुत अच्छी लगती है ।	He likes sweets very much.
सा तद् कार्यं कर्तुं न शक्नोति ।	वह उस काम को नहीं कर सकती है ।	She cannot do that job.
अतिथिः आगतवान् ।	अतिथि आ गये	The guest has come,
पितरम् आह्वयतु ।	पिताजी को बुलाइये ।	Call father.
किं कर्तुं शक्यते ?	क्या किया जा सकता है ?	What can be done?
कुत्रापि न दृश्यते खलु ।	कहीं भी नहीं दिखाई पड़ रहा है	Its seen no where?
किम् अहम् अन्तः आगन्तुं शक्नोमि ?	क्या मैं अन्दर आ सकता हूँ ?	May I come in?
तद् किम् इति अहं ज्ञातुम्	वह क्या है ? मैं जानना	I want to know that

इच्छामि ।

कृपया लेखितुं प्रयत्नं करोतु । कृपया लिखने का प्रयत्न
कीजिए ।

तत्र गत्वा आगच्छतु ।

आचार्यं दृष्ट्वा चर्चा करोतु । आचार्य से मिलकर बात
कीजिए ।

पृष्ट्वा वदामि ।

तद् श्रुत्वा बहु दुःखम्
अभवत् ।

स्नानं कृत्वा एव भोजनं
करोमि ।

भवती वार्तां श्रुतवती किम्?
अहं ज्ञातवान् यत् भवान्-
आगच्छति ।

कः दत्तवान्?

भवान् तु जानाति स्म ।

सर्वे प्रश्नं पृच्छन्ति स्म ।

चाहता हूँ ।

वहाँ जाकर आइये ।

पूछकर कहूँगा ।

वह सुनकर मुझे बहुत
दुःख हुआ ।

स्नान करके ही भोजन
करूँगा ।

आपने समाचार सुना क्या?
मुझे मालूम हुआ कि आप-
आ रहे हैं ।

किसने दिया?

आप तो जानते थे ।

सभी प्रश्न पूछ रहे थे ।

what it is.

Please try to write.

Go there and return/come.

Discuss after meeting
the teacher.

I will say after inquiring.

It was very sad to
know that.

I will dine only after bath

Did you (fem.) get the news?

I came to know that you
(mas.) were/are coming.

Who gave this to you?

You knew it.

All were asking questions.

भवान् तु उक्तवान् यत्-
तद् भवतः समीपे नास्ति ।
पूर्वमेव आगन्तव्यम् आसीत् ।

मया न दातव्यम् आसीत् ।
सुन्दरं करणीयम् आसीत् ।
यदि इच्छति तर्हि स्वीकरोतु ।

यदि समयः अस्ति तर्हि-
कृपया आगच्छतु मया सह ।
यथा भवान् आदिशति-
तथा करोमि ।

पश्यामि, किं साध्यम् इति ।
यदा सः आगमिष्यति तदा-
सूचयिष्यामि ।

अहं विमानयानेन गमिष्यामि ।
सः सम्भवतः रेलयानेन-

आप ने कहा था कि वह-
आप के पास नहीं है ।
पहले ही आना चाहिये था ।

मुझे नहीं देना चाहिए था ।
अच्छा करना चाहिए था ।
यदि आप चाहते हैं तो
लीजिए ।

यदि आपके पास समय है-
तो मेरे साथ आइए ।
आप जैसा आदेश करेंगे मैं-
वैसा ही करूँगा ।

देखता हूँ, क्या हो सकता है ।
वह जब आयेगा तब मैं-
सूचित करूँगा ।

मैं विमान से जाऊँगा ।
सम्भवतः वह रेल से-

You said that you did-
not have it.

It should have been
come earlier.

I should not have given it.
It should've been done well.
You can have it if you
so desire.

If you have time please-
come with me.

I will do as you ask me.
to do.

Let me see what is possible.

I will inform you when-
he comes.

I will go by flight.

Probably he will come-

आगमिष्यति ।

भवान् तेन सह आगच्छतु ।

भवता/भवत्या विना कार्यं
न भवति ।

एतद् भोजनस्य अनन्तरं
कुर्मः ।

अहं न आगतवती यतः मम-
स्वास्थ्यम् उत्तमं न आसीत् ।

कः समयः ?

कस्मिन् समये गन्तव्यम् ?
समये आगच्छतु ।

रविवासरे कः दिनाङ्कः ?

पञ्चदशदिनाङ्के कः वासरः ?

षड्गतः अष्टपर्यन्तम् ।

शाटिका =

दर्पणः =

आएगा ।

आप उसके साथ आइए ।

आपके बिना काम नहीं
होगा ।

हम इसे भोजन के
बाद करेंगे ।

मैं नहीं आ सकी क्योंकि-
स्वास्थ्य ठीक नहीं था ।

क्या बजा है ?

कब जाना है ?

ठीक समय पर आना ।

रविवार को क्या तारीख होगी ?

पंद्रहवीं तारीख को कौन-सा
दिन होगा ?

छः से आठ तक ।

साड़ी

शीशा

by train.

You come with him.

The job cannot be done
without you.

We shall do it after
lunch/dinner.

I did not come because (fem.)-
I wasn't in good health.

What's the time ?

When should we go ?

Come at the proper time.

What is the date on Sunday?

What is the day on the
fifteenth?

From six to eight.

Saree

Mirror

चोलः =	ब्लाउज	Blouse
कङ्कतिका =	कंघी	Small comb
युतकम् =	कमीज	Shirt
क्षुरपत्रम् =	ब्लेड (पत्ती)	Blade
धौतवस्त्रम् =	धोती	Dhoti
स्थालिका =	थाली	Plate
ऊरुकम् =	पैंट	Pant, trouser
चमसः =	चम्मच	Spoon
करवस्त्रम् =	करवस्त्र	Handkerchief
आसन्दः =	कुर्सी	Chair
गलबन्धः =	गलबन्धः	Necktie
तण्डुलः =	चावल	Rice
राङ्गवम् =	शाल	Shawl
गोधूमः =	गेहूँ	Wheat
ऊर्णिका =	मफलर	Mufler
यवः =	जौ	Barley
पादकोशः =	मोजा	Socks

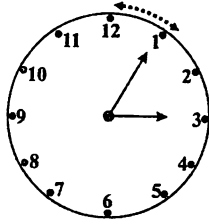
चणकः =	चना	Gram
पादत्राणम् =	जूता	Shoes
मुद्गः =	मूंग	Green beans
पादरक्षा =	चप्पल	Slippers
चूर्णः =	आटा	Flour
कूर्चः =	ब्रश	Brush
सर्षपः =	सरसों	Mustard
दन्तकूर्चः =	टूथ-ब्रश	Tooth brush
तिलः =	तिल	Til/Seasame
दन्तफेनः =	टूथ-पेस्ट	Toothpaste
तैलम् =	तेल	Oil
फेनकम् =	साबुन	Soap
विद्युद्दीपः =	बल्ब	Bulb-light
स्नानफेनकम् =	नहाने का साबुन	Bathing Soap
दण्डदीपः =	ट्यूबलाइट	Tube-light
वस्त्रफेनकम् =	कपड़ा धोने का साबुन	Washing Soap
व्यजनम् =	पंखा	Fan

पुस्तिका =	अभ्यास-पुस्तिका (कापी)	Note book
पिञ्जः =	स्विच	Switch
कगदः =	कागज	Paper
लेखनी =	कलम	Pen
अङ्कनी =	पेन्सिल	Pencil
पुनःपूरणी =	रिफिल	Refill
शिरवस्त्रम् =	टोपी	Cap
आढकी =	अरहर	Pulse
पिता/जनकः =	पिता	Father
माता/जननी =	माता	Mother
अग्रजः =	बड़े भाई	Elder Brother
अनुजः =	छोटा भाई	Younger Brother
अग्रजा =	बड़ी बहन	Elder Sister
अनुजा =	छोटी बहन	Younger Sister
मातुलः =	मामा	Maternal Uncle
मातुलानी =	मामी	Maternal Aunt
पितृव्यः =	चाचा	Paternal Uncle

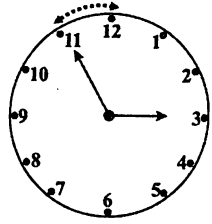
स्तुषा =
श्वशुरः =
श्वश्रूः =
जेष्ठः =
देवरः =
श्यालः =

बहू
श्वसुर
सास
जेठ
देवर
साला

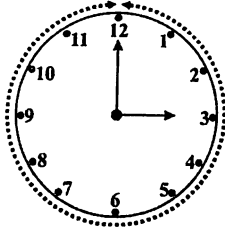
Daughter-in-Law
Father-in-Law
Mother-in-Law
Elder Brother-in-Law
Younger Brother-in-Law
Brother-in-Law



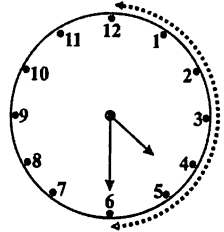
पञ्चाधिकत्रिवादनम्



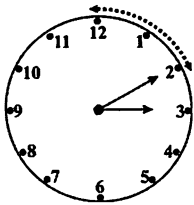
पञ्चोनत्रिवादनम्



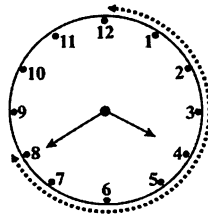
त्रिवादनम्



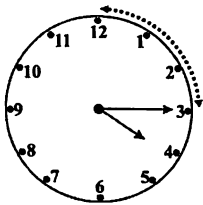
सार्धचतुर्वादनम्



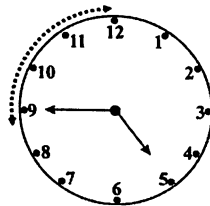
दशाधिकत्रिवादनम्



चत्वारिंशद्-अधिकत्रिवादनम्



सपादचतुर्वादनम्



पादोनपञ्चवादनम्

भवान् भवती न
उक्तवान् उक्तवती एव ।
अहं किं करोमि ?
यथा भवान् इच्छति तथा ।
भवतु, चिन्तां न करोतु ।
तेन किमपि न सिद्धति ।
सः सर्वथा अप्रयोजकः ।
प्रयोजनम् एव नास्ति ।
पुनरपि एकवारं प्रयत्नं कुर्मः ।
मौनमेव उचितम् ।
तद्विषये अहं किमपि न
वदामि ।
विचिन्त्य एव वक्तव्यम् ।

तर्हि समीचीनम् ।
एवं चेत् कथम् ।
मां किञ्चित् स्मारयतु ।
तम् अहं सम्यक् जानामि ।

आपने तो कहा ही नहीं ।
मैं क्या करूँ ?
जैसा आप चाहते हैं वैसा ।
ठीक है, चिन्ता मत कीजिये ।
उससे कुछ नहीं होता ।
वह तो नालायक है ।
यहाँ कहीं भी उद्देश्य नहीं है ।
फिर एक बार कोशिश करेंगे ।
चुप रहना ही अच्छा है ।
उसके बारे में कुछ नहीं
कहूँगा ।
सोच कर ही बोलना चाहिये ।

तब तो ठीक है ।
ऐसा हो तो कैसा ?
मुझे जरा याद दिलाना ।
उसे मैं अच्छी तरह जानता हूँ ।

Your never said it.

What do I do ?
As you wish.
Well, don't worry.
Nothing can be done.
He is utterly useless.
There is no purpose at all.
We shall try once again.
It is better to keep silence.
I will not speak anything.
about it.
One should think and then
speak.

Then it is proper.
How about this ?
Please remind me.
I know him very well.

तदानीमेव अहं उक्तवान्
उक्तवती खलु?

कदा उक्तवान् उक्तवती भोः? कब कहा?

यत्किमपि भवतु।

सः बहु समीचीनः।

सः बहु रुक्षः।

तद्विषये चिन्ता मास्तु।

तथैव इति न नियमः।

कर्तुं शक्यते, किञ्चित् समयः
अपेक्ष्यते।

एतावत् तु कृतवान्।

द्रष्टुम् एव न शक्यते।

तत्रैव कुत्रापि स्यात्।

यथार्थं वदामि।

एवं भवितुम् अर्हति।

कदाचित् एवमपि स्यात्।

किम् अहं एतावदपि न

तभी मैंने कह दिया था न?

चाहे कुछ भी हो।

वह बहुत अच्छा है।

वह बड़ा जंगली/रूखा है।

उसके बारे में चिन्ता न कीजिये।

नियम नहीं कि ऐसा ही हो।

कर सकते हैं पर समय
चाहिये।

इतना तो किया।

देख ही नहीं सकते।

वहीं कहीं होगा।

सच कहता हूँ।

ऐसा हो सकता है।

कभी-कभी ऐसा भी हो
सकता है।

क्या मैं इतना भी नहीं जानता?

I told you at that time.

When did you tell ?

Let it be/Come what may.

He is very good.

He is very wild/active.

Don't worry about that.

There is no such rule.

It is possible to do, some
time is required.

At least he did this much.

It cannot be seen at all.

It will be somewhere there.

I tell you the truth.

It may be so.

Perhaps it can also be
like that.

Do I not know even that

जानामि?

कः न इच्छति ?

तत्र गत्वा किं करोति ?

पुनः आगच्छन्तु ।

मम कोऽपि क्लेशः नास्ति ।

एतत् कष्टकरं न ।

भोः, किम् आनीतवान्

आनीतवती?

भवन्तं कः उक्तवान् ?

किञ्चिदनन्तरम् आगच्छेत् ।

प्रायः तथा न स्यात् ।

चिन्ता मास्तु, श्वः ददातु ।

अद्य आसीत् किम् ?

अवश्यम् आगमिष्यामि ।

किं नागराजः अस्ति ?

कौन नहीं चाहता ?

वहाँ जाकर क्या करते हैं ?

फिर से आइये ।

मुझे कोई कष्ट नहीं ।

यह कठिन नहीं है ।

क्या लाए हैं ?

आप को किसने कहा ?

कुछ देर से आएगा ।

प्रायः वैसा नहीं होगा ।

कोई बात नहीं, कल दीजिये ।

आज था क्या ?

जरूर आऊँगा ।

क्या नागराज है ?

much?

Who does not wish ?

What does he do having
gone there?

Please come again.

I don't have any difficulty.

This is not troublesome.

Oh! What did you bring ?

Who told you ?

She/He will/may come
after some time.

It may not be so.

Don't worry. Give it
tomorrow ?

Was it today?

I will certainly come.

Is Nagaraj there?

(23)

किमर्थम् एवं जातम् ?
किं तत्र आसीत् ?
किमपि उक्तवान् किम् ?
कुतः आनीतवान् ?

ऐसा क्यों हुआ ?
वहाँ क्या था ?
क्या कुछ कहा ?
कहाँ से लाये ?

अन्यत् किमपि कार्यं नास्ति ।
मम वचनं शृणोतु ।
एतत् सत्यं खलु ?
तद् अहम् अपि जानामि ।
तावद् आवश्यकं न ।
भवतः का हानिः ?
किमर्थम् एतावान् विलम्बः ?
यथेष्टम् अस्ति ।
भवतः अभिप्रायः कः ?

कोई और काम नहीं है ।
मेरी बात सुनिए ।
यह तो सच है न ?
वह मैं भी जानता हूँ ।
उतना जरूरी नहीं ।
आपने क्या खोया ?
इतनी देर क्यों हुई ?
पर्याप्त / काफी है ।
आपका मतलब क्या है ?

तस्य किं कारणम् ?
स्वयमेव करोति किम् ?

उसका क्या कारण है ?
खुद करोगे क्या ?

How did it happen so ?
What was there?
He spoke nonsense.
Where did you bring it
from ?
There is no other work.
Listen to me.
Is this really true ?
I also know that.
It is not that necessary.
What do you lose ?
Why such a delay ?
Its enough / sufficient.
What is your (mas.)
opinion?
What is the reason for that?
Are you doing it yourself ?

तत् मह्यं न रोचते ।
उक्तम् एव वदति सः ।
अन्यथा बहु कष्टम् ।

किमर्थं पूर्वं न उक्तवान् ?

स्पष्टं न जानामि ।
निश्चयः नास्ति ।
भवान् कुत्र आसीत् ।
भीतिः मास्तु ।
भयस्य कारणं नास्ति ।
तदहं बहु इच्छामि ।
कियत् लज्जास्पदम् ?
एषः मम दोषः न ।
मम तु आक्षेपः नास्ति ।
सः शीघ्रकोपी ।
गम्भीरः मा भवतु ।
आगतः एषः बराकः ।

मुझे वह पसंद नहीं है ।
वही रटता रहता है ।
अन्यथा बहुत कष्ट होगा ।

पहले क्यों नहीं कहा ?

मैं ठीक से नहीं जानता ।
निश्चित नहीं है ।
आप कहाँ थे ।
डरो मत ।
डरने का कारण नहीं है ।
मैं वह बहुत चाहता हूँ ।
कितना लज्जास्पद है ?
यह मेरा दोष नहीं है ।
मेरा तो आक्षेप नहीं है ।
वह तुनक मिजाज है ।
ऐसे गम्भीर मत होइए ।
आ धमका ।

I don't like it.
He goes on repeating it.
Otherwise there will be a
great difficulty.
Why did you not say
earlier?
I don't know clearly.
Not yet decided.
Where were you ?
Don't be afraid.
There is no reason for fear.
I earnestly desire it.
How shameful it is!
It's not my fault.
I don't blame.
He is short-tempered.
Don't be serious.
This poor fellow has come.

युक्ते समये आगतवान् ।

बहु जल्पति भोः ।

एषा केवलं किंवदन्ती ।

किमपि न भविष्यति ।

एवमेव आगतवान् ।

विना कारणं किमर्थं गन्तव्यम् ?

भवतः वचनं सत्यम् ।

कः मम वचनं शृणोति ?

तदा किमपि न स्फुरितम् ।

किमर्थं तावती चिन्ता ?

भवतः किं कष्टम् अस्ति ?

अहं संस्कृतं किञ्चित् जानामि । मैं संस्कृत थोड़ी जानता हूँ ।

ठीक समय पर आ गए ।

वह बड़ा बक-बक करता है ।

यह तो उड़ती खबर है ।

कुछ नहीं होगा ।

ऐसे ही आया । (बिना

किसी कारण के)

बेकार क्यों जायें ? (बिना

किसी कारण के)

आप की बात सही है ।

कौन मेरी बात सुनता है ?

उस समय कुछ सूझा ही नहीं ।

क्यों इतनी चिन्ता करते हैं ?

आप को क्या कष्ट है ?

You have come at the proper time.

He speaks a lot!

This is only a rumour.

Nothing will happen.

I just came (without any special purpose)

Why should I go without any purpose ?

What you say is true.

Who listens to me ?

Nothing struck me at that time.

Why (mas.) so much worry?

What's your difficulty?

(mas.)

I know a little bit of Samskrit.

अहं संस्कृतेन सम्भाषणं
करोमि ।

सम्भाषणेन भाषाभ्यासः
शीघ्रं भवति ।

संस्कृतं भारतस्य
सांस्कृतिकभाषा ।

संस्कृतभाषा जाति-मत-
प्रदेशभेदेन
विना सर्वेषां भाषा ।

संस्कृतं सामाजिक-
समरसतायाः साधनम् ।
संस्कृतं संस्कृतमाध्यमेन
पाठनीयम् ।

संस्कृतभाषा पुनरपि
व्यवहारभाषा जाता ।

मैं संस्कृत में वार्तालाप
करता हूँ ।

सम्भाषण से भाषा का अभ्यास
शीघ्र होता है ।

संस्कृत भारत की सांस्कृतिक
भाषा है ।

संस्कृत भाषा जाति-मत-
प्रदेश के बिना सबकी भाषा है ।

संस्कृत सामाजिक समरसता
का साधन है ।

संस्कृत संस्कृत के माध्यम
से ही पढ़ानी चाहिए ।

संस्कृत भाषा फिर से
व्यवहारभाषा हो गयी ।

I converse in Samskrit.

Conversation makes
knowledge language faster.

Sanskrit is the cultural
language of India.

Sanskrit is the language
of all irrespective of the
differeneces of castes,
creeds, regions.

Sanskrit is the instrument
of social integrity.

Sanskrit should be taught
though Samskrit medium.

Sanskrit has once again
become the language of
daily usage.

शुभाशयाः (शुभकामनाएँ)

(Good Wishes)

नववर्षस्य शुभाशयाः ।	नये वर्ष की शुभकामनाएँ ।	Happy New Year!
नववर्ष नवोत्साहं ददातु ।	नया वर्ष नया उत्साह प्रदान करे ।	Let the new year bring new hopes.
नववर्ष नवहर्षम् आनयतु ।	नया वर्ष नवीन हर्ष लाए ।	Let the new year bring new joy.
युगादि शुभाशयाः ।	युगादि शुभकामनाएँ ।	Good wishes for Yugadi.
दीपावली-शुभाशयाः ।	दीपावली शुभकामनाएँ ।	Good wishes for Diwali (the festival of lights)
वैवाहिकजीवनं शुभं भवतु ।	वैवाहिक जीवन शुभकारी हो ।	Wish you a very happy married life
सफलतायै अभिनन्दनम् ।	सफलता के लिए बधाईयाँ ।	Congratulations for the success.
कार्यक्रमः यशस्वी भवतु ।	कार्यक्रम यशस्वी हो ।	May the function be successful.

शतं जीव शरदो वर्धमानः । सौ साल जीयो ।

May you live for hundred
years.

जन्मदिनस्य शुभाशयाः । जन्मदिन की बधाई ।

Many happy returns of the day.

शिवाः ते पन्थानः सन्तु । आपकी यात्रा मंगलमय हो । Wish you a pleasant journey.

अहं संस्कृतं स्वल्पं जानामि । मैं संस्कृत थोड़ा जानता हूँ । I know a little bit of Samskrit.

सूर्यवन्दना

नक्षत्रग्रहताराणामधिपो विश्वभावनः।
तेजसामपि तेजस्वी द्वादशात्मन् नमोऽस्तुते ॥

भगवान् सूर्य नक्षत्रों, ग्रहों, तारों के अधिपति और सम्पूर्ण विश्व की वृद्धि के कारणभूत हैं तथा तेजों को भी तेज देने वाले हैं। ऐसे ही द्वादश रूपों वाले भगवान् सूर्य आपको नमस्कार है।

तुलसीवन्दना

मनस्तुलसि कल्याणि नमो विष्णुप्रिये शुभे ।
नमो मोक्षप्रदे देवि नमः सम्पत् प्रदायिके ॥.

हे विष्णुप्रिये कल्याणकारिणि तुलसि! हे मोक्ष और सम्पत्ति देने वाली तुलसि देवि! आपको नमस्कार है।

अश्वत्थवन्दना (पीपल)

मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे।
अग्रतो रुद्ररूपाय वृक्षराजाय ते नमः॥।

हे वृक्षराज पीपल! आप मूल में ब्रह्मा के स्वरूप हो, मध्य में विष्णु के स्वरूप और शिखर भाग में रुद्ररूप हो, आपको हमारा नमस्कार है।

(30)

गोवन्दना

गावो ममाग्रतः सन्तु गावो मे सन्तु पृष्ठतः।

गावो में हृदये नित्यं गवां मध्ये वसाम्यहम्।।

गौएं मेरे आगे रहें, गौएं मेरे पीछे रहें, गौएं मेरे हृदय में नित्य बसें, मैं गौओं के मध्य में सदा निवास करूँ।

शयनकाले उच्चारणीयः मन्त्रः

रामं स्कन्दं हनुमन्तं वैनतेयं वृकोदरम्।

शयने यः स्मरेन्नित्यं दुःस्वप्नस्तस्य नश्यति ।।

शयन काल में जो नित्य भगवान राम को, भगवान कार्तिकेय को, हनुमान जी को, भगवान गरुड़ और महाबलशाली भीमसेन को स्मरण करे, उसके बुरे स्वप्न नष्ट हो जाते हैं।

भारतमाता बुधजनगीता

भारतमाता बुधजनगीता

निर्मलगङ्गाजलपूता।।

शिरसि विराजित-हिमगिरिमुकुटम्

चरणे हिन्दु-महोदधि-सलिलम्

जघने सस्य-लता-तरु-वसनम्

जय भारतजननी, जय भारतजननी ॥१॥

ऋषिवर-घोषित-मन्त्र-पुलकिता

कविवर-गुम्फित-पावन-चरिता

धीर-वीर-नृप-शौर्य-पालिता

जय भारतजननी, जय भारतजननी ॥२॥

मम मनसि सदा तव पदयुगलम्

संस्कृत-संस्कृति-सतत-चिन्तनम्

भाव-राग-लय-ताल-मेलनम्

जय भारतजननी, जय भारतजननी ॥३॥

पत्राचार द्वारा संस्कृतम्

- घर बैठे सरल संस्कृत भाषा का ज्ञान प्राप्त करें।
- ६-६ महीने का ४ पाठ्यक्रम- प्रवेशः, परिचयः, शिक्षा एवं कोविदः।
- अर्थात् २ वर्षों में संस्कृत के जानकार बनें।
- पाठ्यक्रम के पुस्तक, प्रश्नपत्र एवं प्रमाणपत्र डाक द्वारा घर आयेंगे।
- प्रति ६ महीने पर घर से ही परीक्षा लिख सकते हैं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम की अवधि ६ महीना एवं शुल्क ३००/- मात्र होगा।
- आज ही अपना पंजीकरण करायें और संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सहभागी बनें।

सम्पर्कसूत्रम् : 9415303193



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
By
Avinash/Shashi

!creator of
hinduism
server!

संवादशाला

- काशी में गङ्गा के तट राजघाट पर मात्र १४ दिनों में अत्यन्त सरल विधि से बिना रटे सरल संस्कृत में बोलना सीखें।
- कोई भी किसी भी आयु का व्यक्ति सीख सकता है।
- हर महीने में दो सत्र दिनांक १ से १४ एवं १६ से २९।
- प्रति सत्र का शुल्क मात्र १०००/- रु.।
- संस्कृत गङ्गा आपके निकट हैं, सौभाग्य प्राप्त करें।

सम्पर्कसूत्रम् : 9452093996

मुद्रक:- रेनबो प्रिण्टर्स, सिद्धगिरीबागः, वाराणसी, सम्पर्क : ०५४२-२४००६६३